बुक-कीपिंग एण्ड एकाउण्टेनसी - 2012

समय : 3 घण्टे | कक्षा : 12वीं | पूर्णांक : 100

निर्देश- (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्न-पत्र में दिये गये निर्देश सावधानीपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(iii) प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है- खण्ड अ और खण्ड ब।

(iv) खण्ड अ में दिये गये प्रश्न 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ हैं जिनके अन्तर्गत सही विकल्प का चयन, रिक्त स्थान की पूर्ति, सही जोड़ी बनाना, सत्य/असत्य एवं एक शब्द में उत्तर लिखने हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

(v) खण्ड ब में प्रश्न क्रमांक 6 से 20 में आन्तरिक विकल्प दिये गये हैं।

(vi) प्रश्न क्रमांक 6 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

(vii) प्रश्न क्रमांक 11 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

(viii) प्रश्न क्रमांक 16 से 20 तक प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

खण्ड - अ (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनकर लिखिए- 5

(अ) माल में विक्रय पर प्रेषणी जमा करेगा-

(i) रोकड़ खाता (ii) बैंक खाता

(iii) प्रेषण खाता (iv) प्रेषक का खाता

(ब) फर्म के लिये आहरण पर ब्याज है-

(i) व्यय (ii) हानि

(iii) लाभ (iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(स) औसत लाभ की गणना में पूर्व वर्ष की हानियों को-

(i) जोड़ते हैं (ii) घटाते हैं

(iii) कुछ नहीं करते (iv) दो बार घटाते हैं

(द) यदि नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति की राशि रोकड़ में देता है तो उस राशि को डेबिट करेंगे-

(i) ख्याति खाते में (ii) नये साझेदार के पूँजी खाते में

(iii) रोकड़ खाते में (iv) पुराने साझेदारों के पूँजी खाते में

(इ) वसूली खाता है-

(i) वास्तविक खाता (ii) व्यक्तिगत खाता

(iii) अवास्तविक खाता (iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं

http://www.mpboardonline.com
http://www.mpboardonline.com

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये- 5

(अ) प्रेषण पर भेजा माल.....है।

(ब) साझेदार का फर्म से.....एवं .....का संबंध होता है।

(स) दायित्वों में कमी फर्म का..... होता है।

(द) ख्याति पर.....नहीं लगाया जाता है।

(इ) प्रेषण खाता.....खाता है।

प्रश्न 3. निम्नलिखित की सही जोड़ियाँ बनाइये- 5

स्तंभ 'अ'	स्तंभ 'ब'
(1) ऋणपत्रधारी	(अ) 10%
(2) ऋणपत्रों के निर्गमन पर कटौती	(ब) पूंजीगत प्राप्ति
(3) ऋणपत्रों के निर्गमन से प्राप्त राशि	(स) सुरक्षित ऋण
(4) ऋणपत्रों के निर्गमन पर अधिकतम कटौती	(द) कम्पनी के स्वामी
(5) ऋणपत्रों को दर्शाया जाता है।	(इ) कम्पनी के ऋणदाता
	(फ) असुरक्षित ऋण
	(ग) कृत्रिम सम्पत्ति

प्रश्न 4. निम्नलिखित का सत्य/असत्य में उत्तर दीजिए- 5

(1) प्रेषणी द्वारा प्रेषक को भेजा जाने वाला विवरण दर्शनार्थ बीजक कहलाता है। **http://www.mpboardonline.com**

(2) साँझेदारी संलेख बनाना अनिवार्य है।

(3) फर्म के विघटन की दशा में व्यापार बंद हो जाता है।

(4) वसूली खाता फर्म के जीवनकाल में कई बार बनाया जाता है।

(5) एकाधिकार ख्याति में कमी करता है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का एक शब्द में उत्तर लिखिये- 5

(1) प्रेषण पर कौन-सा अधिनियम लागू होता है?

(2) वसूली खाते में सम्पत्तियों को किस कीमत पर हस्तांतरित किया जाता है?

(3) साझेदार की मृत्यु पर भुगतान किसको किया जाता है?

(4) साझेदार को बार्षिकी द्वारा भुगतान करने पर कौन-सा खाता खोला जाता है?

(5) लेखांकन प्रमाप 10 किससे संबंधित है?

खण्ड-ब

प्रश्न 6. A, B और C एक फर्म में 5 : 3 : 2 में लाभ विभाजित करते हुये साझेदार हैं। A ने C को व्यक्तिगत रूप से गारंटी दी है कि उसका लाभ पूँजी पर 10% वार्षिक ब्याज लगाने के पश्चात ₹ 22,500 वार्षिक से कम नहीं होगा। साझेदारों की पूँजी क्रमश: ₹ 1,20,000, ₹ 75,000 एवं ₹ 60,000 थी। वर्ष 2010 में लाभ ₹ 1,19,250 पूँजी पर ब्याज काटने से पूर्व था। लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइये। 4

(अथवा) स्थिर एवं परिवर्तनशील पूँजी विधि में कोई चार अंतर बताइये।

http://www.mpboardonline.com
http://www.mpboardonline.com

प्रश्न 7. Z लि. ने एक मशीन ₹ 39,600 में नीरज ट्रेडर्स से खरीदी जिसका भुगतान ₹ 10 वाले अंशों में किया गया। 4

निम्न दशाओं में पंजी प्रविष्टियाँ बनाइये-

(i) जब अंश 10% प्रीमियम पर निर्गमित किये गये हों।

(ii) जब अंश 10% कटौती पर निर्गमित किये गये हों।

(अथवा) अंश व स्कंध में कोई चार अंतर बताइये।

प्रश्न 8. स्नेहा लि. ने ₹ 1,000 वाले 1000 ऋणपत्र जारी किये ₹ 200 आवेदन पर तथा ₹ 300 (₹ 100 प्रीमियम सहित) आबंटन पर मांगे। शेष याचना पर देय थे। सभी राशियाँ यथासमय प्राप्त हो गई।

आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ बनाइये। 4

(अथवा) ऋणपत्रों के किन्हीं चार प्रकारों को समझाइये।

प्रश्न 9. वित्तीय विश्लेषण की कोई चार सीमाएँ बताइये। 4

(अथवा) वित्तीय विश्लेषण की तुलनात्मक विवरण विधि का संक्षिप्त विवरण दीजिये।

प्रश्न 10. संचालन क्रियाओं को समझाइये। 4

(अथवा) निम्न सूचनाओं से कार्यशील पूँजी में परिवर्तन की अनुसूची बनाइये-

चिट्ठे

दायित्व	2009	2010	सम्पत्तियाँ	2009	2010
अंश पूँजी	9,00,000	14,50,000	स्थायी सम्पत्तियाँ	12,00,000	21,00,000
लाभ हानि खाता	6,00,000	9,00,000	स्टॉक	1,00,000	2,00,000
लेनदार	2,50,000	3,00,000	देनदार	2,25,000	3,50,000
बैंक अधिविकर्ष	-	1,00,000	रोकड़	2,00,000	50,000
प्रस्तावित लाभांश	50,000	50,000	प्राप्य बिल	75,000	1,00,000
कुल	18,00,000	28,00,000	कुल	18,00,000	28,00,000

प्रश्न 11. शिवपुरी के शिवकुमार ने श्योपुर के शंकरलाल को ₹ 16,400 की लागत का माल प्रेषण पर भेजा। प्रेषक ने भाड़े और बीमा के ₹ 1,400 चुकाये। मार्ग में माल का 1/5 भाग अग्नि से नष्ट हो गया। एजेंट ने ₹ 1,600 चुंगी आदि के देकर माल छुड़ाया, उसने प्राप्त माल का 3/4 भाग ₹ 20,000 में बेच दिया। उसके बिक्री व्यय ₹ 940 हुये। बिक्री पर 5% कमीशन काटकर शेष राशि प्रेषक को भेज दी। प्रेषक की पुस्तकों में प्रेषण खाता बनाइये। 5

(अथवा) अशोक गर्ग ने Y को 100 टेपरिकार्डर प्रति टेप ₹ 1,000 की लागत से 30% अधिक कीमत पर बीजक मूल्य पर भेजे। प्रेषक ने ₹ 4,000 प्रेषण व्यय के चुकाये। प्रेषणी ने 90 टेपरिकार्डर ₹, 1,37,000 में बेच दिये। उन्हें बीजक मूल्य की बिक्री पर 10% व अधिक मूल्य की बिक्री पर 25% कमीशन दिया जाता है। प्रेषणी ने ₹ 1,000 चुंगी तथा ₹ 3,300 बिक्री व्यय के चुकाये।

प्रेषक की पुस्तकों में प्रेषण खाता बनाइये।

http://www.mpboardonline.com
http://www.mpboardonline.com

प्रश्न 12. एक फर्म का औसत शुद्ध लाभ ₹ 84,000 प्रति वर्ष है। व्यवसाय में विनियोजित पूँजी ₹ 5,00,000 है। इस प्रकार के व्यवसाय में विनियोजित पूँजी पर प्रत्याय 12% है। साझेदारों को ₹ 12,000 पारिश्रमिक दिया जाता है।

ख्याति की गणना अधिलाभ की पूँजीकरण विधि द्वारा कीजिये। 5

(अथवा) त्याग अनुपात एवं लाभ-प्राप्ति अनुपात में कोई पाँच अंतर बताइये।

प्रश्न 13. A व B एक फर्म में साझेदार हैं जो 3 : 2 में लाभ-हानि का विभाजन करते हैं। उनका चिट्ठा निम्न प्रकार है: 5

चिट्ठा

31 दिसम्बर 2011 को

दायित्व		रकम (₹)	सम्पत्तियाँ		रकम (₹)
लेनदार		25,000	रोकड़ शेष		5,000
पूँजी-			देनदार	25,000	
A	80,000		(-) प्रावधान	5,000	20,000
B	35,000	1,15,000	स्कंध		35000
			यंत्र		45,000
			भवन		35,000
योग		1,40,000	योग		1,40,000

1 जनवरी 2012 को निम्न शर्तों पर C को 1/4 भाग के लिये साझेदार बनाया-

(1) भवन का मूल्य ₹ 15,000 से बढ़ाना है।

(2) यंत्र का मूल्य ₹ 10,000 से घटाना है।

(3) देनदारों पर डूबत ऋण के लिये प्रावधान 10% के बराबर रखना है।

(4) C ₹ 20,000 ख्याति व अपने हिस्से के लिये यथेष्ट पूँजी देगा।

पुनर्मूल्यांकन खाता व साझेदारों के पूँजी खाते बनाइये।

(अथवा) श्योपुर की फर्म अग्रवाल एप्लायन्सेज के तीन साझेदार, गर्ग, प्रधान जैन हैं। वे 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ बाँटते हैं। प्रधान ने 31 दिसंबर 2011 को अवकाश ग्रहण किया। इस दिन साझेदारों के पूँजी खातों के शेष क्रमश: ₹ 6,000, ₹ 5,000 और ₹ 4,000 थे। उसके भाग की ख्याति का मूल्य ₹ 4,500 आँका गया। पुनर्मूल्यांकन के आधार पर मशीन ₹ 1,200 तथा स्कंध ₹ 800 से कम कर दिया गया। संदिग्ध ऋणों के लिये ₹ 280 संचित किये गये। लेनदारों की राशि ₹ 600 कम कर दी गई और पैटेंन्ट जिसका पुस्तकीय मूल्य ₹ 300 था, निर्मूल्य हो गया। लाभ-हानि समायोजन खाता तथा साझेदारों के पूँजी खाते बनाइये।

प्रश्न 14. पूर्वाधिकार अंश किसे कहते हैं? इनके किन्हीं चार प्रकारों का वर्णन कीजिये। 5

(अथवा) समता अंश व पूर्वाधिकार अंश में कोई पाँच अंतर बताइये।

http://www.mpboardonline.com
http://www.mpboardonline.com

प्रश्न 15. अंश पूँजी शीर्षक के वर्गीकरण को समझाइये। 5

(अथवा) कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची VI के भाग I अनुसार चिट्ठे के क्षैतिज प्रारूप के मुख्य शीर्षकों को दर्शाइये।

प्रश्न 16. स्नेहा, सानू, शिवानी क्रमशः 3 : 2 : 1 के अनुपात में साझेदार हैं। 31 दिसंबर 2010 को फर्म के विघटन के लिये सहमत हुये। उक्त तिथि को उनका चिट्ठा निम्नानुसार था- 6

चिट्ठा

दायित्व		रकम (₹)	सम्पत्तियाँ		रकम (₹)
पूँजी-			मशीनरी		1,21,500
स्नेहा	1,20,000		स्टॉक		22,650
सानू	60,000	1,80,000	निवेश		44,490
नीरज का ऋण		30,000	जीवन बीमा पॉलिसी		42,000
लेनदार		55,500	देनदार	27,900	
जीवन बीमा कोष		42,000	(-) प्रावधान	1,800	26,100
			बैंक में रोकड़		16,260
			शिवानी का पूँजी खाता		34,500
योग		3,07,500	योग		3,07,500

जीवन बीमा पॉलिसी ₹ 36,000 में समर्पित की गई। विनियोग स्नेहा द्वारा ₹ 52500 में लिये गये, उसके द्वारा नीरज के ऋण का भुगतान करने का उत्तरदायित्व लिया गया। सानू ने स्टॉक ₹ 21,000 में तथा ₹ 15,000 के देनदार ₹ 12,000 में ले लिये। मशीन ₹ 1,65,000 में बेची गई। शेष देनदारों से 50% राशि प्राप्त हुई, वसूली व्यय ₹ 1,800 के हुए। ₹ 19,000 के विनियोग जो पुस्तकों में नहीं लिखे गये थे, लेनदारों द्वारा लिये गये। **http://www.mpboardonline.com**
वसूली खाता बनाइये।

(अथवा) फर्म के समापन की विधियों का संक्षिप्त विवरण दीजिये।

प्रश्न 17. निम्नांकित के लिये रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिये- 6

(अ) संचालकों ने A को निर्गमित 200 अंशों को ₹ 20 की अंतिम याचना का भुगतान नहीं होने के कारण जब्त कर लिया। ₹ 100 वाले ये अंश B को ₹ 10 प्रति अंश प्रीमियम पर निर्गमित किये गये।

(ब) B के ₹ 100 वाले 100 अंश जो ₹ 50 की प्रथम व अंतिम याचना का भुगतान नहीं होने से जब्त किये गये तथा C को ₹ 60 प्रति अंश पर पूर्णतः चुकता मानते हुये पुनर्निर्गमित किये गये।

(अथवा) अंशों के हरण की पद्धति को संक्षेप में समझाइये।

http://www.mpboardonline.com
http://www.mpboardonline.com

प्रश्न 18. 1 जनवरी 2005 को 'x' लि. ने 10000, ₹ 10 वाले 5वर्ष पश्चात् शोध्य ऋण पत्र जारी किये। यह तय किया गया कि ऋणपत्र शोधन कोष की स्थापना की जाये व उसका विनियोग 5% ब्याज पर किया जाये। पाँचवे वर्ष के अंत में विनियोगो को बेचकर ऋणपत्रों का भुगतान कर दिया गंया। लाभ-हानि खाते से प्रत्येक वर्ष 18,097 ₹ 50 पैसे निकाले जाते हैं।

ऋण शोधन कोष खाता बनाइये। (गणना निकटतम रूपये तक की जा सकती है)। 6

(अथवा) ऋणपत्र भुगतान की किन्हीं तीन विधियों को समझाइये।

प्रश्न 19. लेखांकन अनुपातों का महत्व बताइये। (कोई छः बिन्दु)। 6

(अथवा) निम्नलिखित विवरणों से सकल लाभ की राशि का निर्धारण कीजिये-

औसत	₹ 50,000
स्टॉक आवर्त अनुपात	5 गुना
बिक्री कीमत	लागत पर 25% लाभ जोड़कर

प्रश्न 20. निम्न सूचना से संचालन से रोकड़ की गणना कीजिये- 6

	₹
वर्ष 2010 में लाभ हुआ	50,000
सामान्य संचय में हस्तांतरण	10,000
ह्रास काटा गया	20,000
फर्नीचर की बिक्री पर लाभ	5,000
मशीन की बिक्री से हानि	10,000
प्रारंभिक व्ययों का अपलेखन	10,000

अतिरिक्त सूचनाएँ-

विवरण	2009 ₹	2010 ₹
देनदार	10,000	15,000
प्राप्य बिल	7,000	5,000
रहतिया	15,000	18,000
पूर्वदत्त व्यय	2,000	3,000

(अथवा) रोकड़ प्रवाह विवरण एवं कोष प्रंवाह विवरण में कोई छः अंतर बताइये।

http://www.mpboardonline.com
http://www.mpboardonline.com